कर्बला के तालीमात

1- इस दुनिया की ज़िन्दगी को चन्द रोज़ की और आख़िरत की ज़िन्दगी को हमेशा रहने वाली समझो।

2- इन्सानियत के आला इक़दार की हिफ़ाज़त अपनी ज़िन्दगी का मक़सद क़रार दे लो।

3- ख़ुदा की मख़लूक़ के फ़ायदे को अपने ज़ाती फ़ायदे से बढ़कर समझो।

4- हक़ और सच्चाई के रास्ते में हर क़ुर्बानी के लिये तैयार रहो।

5- अपने दामन पर बातिल की हिमायत का धब्बा न आने दो।

6- बातिल की ताक़तों से कभी न घबराओ।

7- अम्न और अमान की हिफ़ाज़त के लिए आख़िरी मंज़िल तक हर मुमकिन कोशिश करते रहो।

8- जब तक बातिल से टकराव ज़रूरी न हो जाए ख़ामोशी के साथ सुधार की कोशिश करते रहो।

9- अपने में बर्दाश्त की इतनी ताक़त पैदा करो कि बातिल ज़ुल्म करते-करते थक जाये और तुम पहाड़ की तरह अपनी जगह पर क़ायम रहो।

10- सिर्फ़ ख़ुदा का यक़ीन ही इन्सान को हक़ की हिमायत में बड़ी से बड़ी क़ुर्बानी करने के लिए तैयार कर सकता है।

11- इसका यक़ीन रखो कि नतीजे में कामियाबी उन्हीं के लिये है जो हक़ पर डटे हुए हैं।

12- एक दूसरे को ''हक़'' पर डटे रहने की वसीयत और मुसीबतों पर सब्र करने की नसीहत करते रहो।

13- जब शैतानी ताक़तों से टकराव ज़रूरी हो जाए तो फिर तुम्हारी मिसाल सीसा पिलाई हुई दीवार की जैसी होनी चाहिए।

14- देखो! इज़्ज़त की मौत ज़िल्लत की ज़िन्दगी से बेहतर है।

